

अजमेर

अज अदालत राजस्व अपील प्राधिकारी अजमेर

564/12/175

धीसा लाल मंदिर श्री चारभुजा

तारीख
पेशी

20/12/20058

हुक्म या कार्यवाही मय हस्ताक्षर

श्री सुदेश

श्री

4A/12/3 विभाग पारा 12

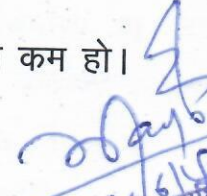
नम्बर व तारीख
अहकाम जोइस
हुक्म की तामील
जारी हुई

01.06.19

धीसा लाल बनाम मंदिर श्री चारभुजा जी महाराज वगैरह पत्रावली वास्ते आदेशार्थ पेश हुई। अभिभाषक उभयपक्ष उपस्थित। पत्रावली पर दिनांक 12.06.2019 को अभिभाषक उभयपक्ष की बहस सुनी गई।

विद्वान अभिभाषकगण उभयपक्ष की बहस पर मनन किया गया एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली के अवलोकन एवं विश्लेषण से पूर्णतः स्पष्ट है कि हस्तगत अपील मूलतः नायब तहसीलदार (द्वितीय), अजमेर द्वारा तस्दीक नामान्तकरण संख्या 885 दिनांक 13.09.2007 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है जिससे अपीलांट का नाम खाता संख्या 306 के वर्तमान खसरा नम्बरान क्रमशः 1179, 1180, 1183, 1185, 1184, 1182 के बाबत कलमजन करते हुए रेस्पोजेन्ट संख्या 01 मंदिर श्री चारभुजा जी महाराज के नाम तस्दीक किए जाने के आदेश तहसीलदार मीटिंग दिनांक 01.09.2007 की अनुपालना में प्रदान किए गए हैं। पत्रावली पर मौजूद राजस्थान सरकार देवस्थान विभाग के पत्र क्रमांक: प: 12(22) देव/91 दिनांक 06.03.2003 एवं जिला कलक्टर, अजमेर के आदेश क्रमांक: राजस्व/2004/वि0/1803 दिनांक 19.03.2004 मूल आदेश न होकर व्यापक एवं सामान्य दिशा निर्देश है जिनके विरुद्ध इस न्यायालय में अपील पोषणीय नहीं हैं मूल आदेश नामान्तकरण संख्या 885 दिनांक 13.09.2007 के होने से इसके विरुद्ध सुनवाई का क्षेत्राधिकार भू-राजस्व अधिनियम के तहत इस न्यायालय को नहीं है क्योंकि नामान्तकरण के विरुद्ध प्रथम अपील के विरुद्ध चाराजोही के लिए भू-राजस्व अधिनियम 1956 में अलग व्यवस्था प्रदान की हुई है इसलिए यह अपील इस न्यायालय में पोषणीय एवं संधारण योग्य न होने से खारिज की जाती है तथा अपीलांट विवादित आराजी बाबत अपने अधिकारों के लिए सक्षम न्यायालय में चाराजोही हेतु स्वतंत्र रहेगा।

पत्रावली फैसलशुमार होकर नम्बर से कम हो।


राजस्व अपील प्राधिकारी
अजमेर